

卷之四

277

I

130

इन्द्रधनुषिध्वनि ॥ नीलपातयत्रायमालिगनरुनिगध्रखेजाय खूनखूनाक
नलयभावन नृगतदमनूवजाय ॥ अंगअंगमूर्नेगलजितवालवद्धिजानपून
रुनिशुद्धदयवसतदयस्यामसिकंधान ॥ ॥ श्रीनाटध्वरायनिमः॥ कायावन्न
रुनाति ॥ वा ॥ नादिसखंसुमलधक्कप्राकृयागल्लगनाध्वनयासंवायायसिद्धि
रुनि ॥ ॥ राजायात्राल्लानभमभूरुलनिवन्नरुलतयासुददकोध्मावायाकि
रुनि ॥ थायथायवावायन्नरुलनियायखिवानलिरुकालारुकादयारुया
स्याय ॥ क्कानिकुक्कनडानमरुगथग्रावलोकादकोदनेध्वकायलिदायव ॥

[illegible]

शिवतिया चोत स्वयंगसदका मिया पि पि वि सयै रु सतल सुव
जगन चन्दन धाव ॥ जगन चन्दन धाव कुलवल गथ सयै मुनि ॥ यम सुयान
मद वदाल किद न स सवक गव नूतान कया त क विहाव ॥ इति भाग्य ॥ १ ॥
॥ ३ ॥ ॥ श्री ॥ या ॥ विगन मगद ॥ थ ॥ थ ॥ गालि नि सो वि रु विया भाव स रि क ग स
त न मा नि ॥ गा ट न घ स पू न ग ल स मि सान श्रु का थ न व रु ल य ता न न म म ॥
का गा ट न ग माल गा ० ड ॥ थ वूल ह ल ति वि रु व ख न न श ला य मूल ॥ का ट ॥ वि
यं दु र्गं दु र्गं कृत मि ख न ॥ का कृ स व न न च न्द यान म धू यान ॥ स वि ग या य वि स य
रु म्मा ये ती न गा व ज ग न च न्द न न रा दि प वि न धा न ॥ इति विंती ॥ ४ ॥

शानथ ॥ ख ॥ वनिखायाव नल सास न सताव आवरु डी सुखन राव ॥ ५ ॥
 यनन सून रुन यि यि निखाय नेरान मन सना खरु न माल ॥ डा ठु ठु खान
 दत यन य सा अयू नू व वा गान जिव मा ड सा स वृका सद्या ठ हान खान दू सन
 यमूक वां धिन गव ध्या ठु ला स ॥ वा यन था य था य ति निय नि मूळा व जिन यल क
 त विक्र सान रुक्मि न वावल आव जगत वन्दन धान शीठ वनिखा व खान ॥ ६ ॥
 ॥ ति वनिखा व विष्णु वा नि निरुख गीत ॥ क ॥ ७ ॥ ॥ कल्याण ॥ वा ॥ रुनि या
 हन वषा रुि दान स कि ठान गन न ता य रु म थ व न स ॥ ८ ॥ कामि निय नि न वा
 रुि दान स लिला धिन न व व रु स गी गल रु व नाद व स के दान जिलं का मत भाति
 खान

रिठ यन खान नू व ॥ ९ ॥ कृ कृ ति विगु दान कृ कृ ति वि डि म द्या द कृ कृ ति वि वा मा
 वान आव यून व रु यू यूल ज्ञा म वा व काम स मूगु ध श या व ॥ स नि व स व स ग न म
 यून क भ गल सा सर्व नि सुन्द व मि खान हा क व न ल मुख भा रु न व सि क न ज ग न व
 दन धा व ध्यान ॥ १० ॥ ॥ शान थ म लाल ॥ य ॥ या सा अ सा भा रु न या ड क न स ला य
 या ता ॥ ११ ॥ डा श न म ग स गल मू द स ज ग वा स रू ल ल य वा न अ खा स ॥ मन न म न द ख
 न द व रु मि वा न आव लि धून क म्मा ठु क न सा व ड थि ठ म दू भ व मी सा ना ला स व नि
 अ थू रु थून स सा स खा व ॥ ग्या ल व ल द य क ला सा था था या य या ग सू की व न की न य म
 ग वि ता थ व्र ड ग न य न धान रु स न भा रु न डा डा रुि न ॥ १२ ॥ य म ग वि ता या व रु न ॥

॥१॥ ॥यथमंजलि॥ अ ॥ ग्वला ॥ न सर्वप्रभु रुविजयनिसयाग ग्वालनिमूढरु
नविडानसदान ॥ सकलं ठगीनितविततयडाव डतिखासभसंनसर्वगतियकन
रुव ॥ खाकिवानसनिनयाकतानथयाव कुडाजनमहानकलयालराव ॥ जगतय
कागधमकं गंयादास वन्द (गवधसिंरुनगलयाश्रस ॥ गास्त्रियाहनिवर्द्धिगगीर्ण ॥ ८॥
ववावि ॥ नग्वला ॥ यागिनिगलयनयनमहसिधिकि वीगठितारुद्रमाभमागा डय
नद्रुनरुताहयागनद्रुवसवधू श्रुमनश्रुसूत्रकधाता इमायविह ॥ जगतद्रुसूत्र
त्रीश्रुगिभादिनि जनमलिनेनृयपास श्रुनकद्रुकनश्रुकवद्रुतसकश्रुकुल ता
गलाकविपिन निवास ॥ रुविहववद्रुयाकसासनश्रुदिसवयुनगयाययद्रुमडाना

सवद्रुश्रुनकतनुयनमनुहिलय जयकवनमिरुयगाना ॥ जगतयकागनृयश्रुयन
श्रुगिहिरुवी जनमगलयनमद्रुव वन्द (गवधधनरवनभाहियविहनिवलिगलज
नमंरुलकिद्रुसूरव ॥ ॥ ग्वना ॥ श्री ॥ जगि ॥ द्रुवववगमहाकालदव गारुठका रुम
नसुनलकगलव ॥ एकिरुवधिक ॥ थनहिसलिनश्रुकताना गारु यदशगरावक्यमा
ना ॥ एकिरुवधिक ॥ यथमकनकरुयसान गारु श्रुनिसवकयनसंलान ॥ एकिरुवधि
क ॥ जगतवन्दरुनगोगीतवालिमिनि नागजगिहिसहीत ॥ एकिवविवालि ॥ ॥
यरुठिया ॥ थ ॥ श्रुनवद्रुयकहिकभादिनिवखान सुकनगारुहिविगहिनवान ॥ श्रुग
महायव्वयनगानलीला श्रुनविसंगति कयरुलद्रुहीला ॥ समुद्रहियजगजनरागगायन

धानकाथ मागनकविचिद्वज्रनियसाथ ॥ रुदहि वृमरुजनखनरु
 भुवालाखेनहिगनूलिहायसहिभुधाना ॥ कपालिसुवद्वर्गमानिनी
 नानि दामिनीवधूगणसुवलिवा नि ॥ जगतयकाशरुनगहिनाटवा
 ण रलकयज्ञ तिगानसूनयथूराण ॥ ॥ वसन्त ॥ ॥ जयधनिहानि
 चडिकेवलपयान दखिकरु दानवयनममलान ॥ साजनिमारुकाग
 णत्रयनसमीधं रुगमयकनधन नि सिहिसूदीप ॥ उतिकनवक्करुनि
 गनशीसान सिद्धियागिनमृनिमागयनान ॥ जगतवन्दकविकवि
 गणसान रुगवतिकनवथू रुमननिहान ॥ ॥ ॥ धूर्तिग्रीजगतवृद्ध

विनं णीगसुकेनानावर्णगीनसमाफी ॥ ॥ अथथासा ॥ वनाठि ॥ ख ॥ कम
 मनमलिखनविहिम्वसहिहाय दखसुखसयनकधनसमहाय ॥ कतदि
 नजिवनरुमानखयनान जीवनमर्दहिथिनकेयजान ॥ जगतवन्दववसग
 नवखान कलदविकनमोनि भुवहिननान ॥ १ ॥ ॥ वनाठि ॥ ॥ शवजन
 मानिकनश्रयनसूथीन अनूविगदरुगाहयनवधूहीन ॥ श्रयनकाननयणु
 मानिजनूखाव वलिदानदयकदधनमहियाव ॥ जिवनकतदिनयिसूनहि
 वानि श्रानकदखदयधूननहिजानि ॥ जगतवन्दयदब्धसनिहियेला एद
 नमनमोनि विविधहिरुला ॥ २ ॥ थासा ॥ ॥ यरुठिया ॥ ॥ निविजनयनि
 १ जगतवलमनमुकु ततहि काज धनमहिसुबलाकजायवदूसाठ ॥ ३ ॥

वृत्तायनमकधीनयनकयूनखदखिमिलदिनदीन॥रुधनियद्रूपननून
विहान् आनकसनगतेशुद्धिकविवाच॥भाविपद्रुमूनखवूपयनसूचसे
वदखदयकद्रुदखावनमुख॥जगतवन्दकरुयहठियागीतभाहिलगहाश्रु
वधूपनमहिहीन॥३॥ ॥धनाष्टी॥प्र॥रुगतहियननतहाश्रुननजानिसरुल
यावतजक्रिश्रुवयत्रियाति॥जगनरुललवद्रुगुनगुनमालाश्रुकनमकयकद्रुज
नूलाश्रुलला॥श्रुलयदिवसजिवहायसरुधीनकनरुद्वजगलप्रियसखिहीन॥रु
नयजगतवन्दमनगुनरान्हातजिकतद्रुनचितगलजान॥ ॥
॥संवहिकश्रुधिनेसंसात्रवनद्वजगलभाविहान्॥सांखवद्रुनिसिदिन

गारुहमनहिंगारुविनुसारु ॥ १० ॥ ककिक रुववानि गारुयय द्दयहिमानि ॥ ३ ॥
 गगयकागनसगाव वन्दु (गवत्रसिंहयाव ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 डगममनमध यगगवसन्त गगुनिनसहिक दू यूवत्रकन्त ॥ अयनत्रां कमकय कत्रल
 लत्राव पीनयथाधत्र क्वावत्रराव ॥ गजिदलजीवनि नूयत्रयात्र धत्रत्रदूमहियत्र
 त्रहंगमगात्र ॥ ३ गगयन्द रान सूजनसिनेह गात्रिकदल गहाश्रू दूदूजनदह ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ (गोत्रि ॥ या ॥ वालिकवलवालकुमानि रुश्रुवत्तश्रु
 त्रिसवमानि ॥ गकिभूतकत्रविन्दुसाज त्रकगनयनसूविनाज ॥ निखिहिश्रासन
 कत्रगारु यत्रलदखिकदूमारु ॥ ३ गगयकागनसगाव वन्दु (गवत्रसिंहयाव ॥ ॥

धनाशी ॥ २॥ ननयक दासकन नन हिदा न नन नि कया न स दून कन ॥ धा नु ॥
क नं गा ॥ ३॥ ठियवय ठिविन वम ॥ ४॥ ना हि न हिदु ख सान स गान रुमा हि ॥ क :
म न क न नन हि क ॥ ५॥ त दे उ धा न या लिन मा निज क न रु विवान ॥ रुय रू ३३ नि
ता रु मा ॥ ६॥ रु वा नि जा व कि न वि स न लि जू य न कि वा नि ॥ न य अ ग आ नि नि क रु
न क न ड धो दा स अ न हि न न हि अ ग ना द न जू रु ॥ ॥ धनाशी ॥ ७॥ सा जू क क हि
निय न न न वा जू न रु न ग ना का क थू क न ला जू ॥ गि व ॥ न धा न ॥ दान का दि क न
ते ॥ आ दान ॥ ८॥ वा य क वि रु व लू ठि ल जू य न अ ग न ये को न क द ॥ ९॥ स न धू

॥ स न क क अ न वि नू अ रु नी स त व न म धू न य वि ना म क वी स ॥ अ य थ स य थ
क न क रु क न रु नि उ क मि हि व क न क न न नि जू आ ति ॥ य न क य न रु व अ अ न
रा व न य अ ग आ नि क रु ड ॥ हि दू ख या व ॥ ॥ क दान ॥ १०॥ व र्ज नि ॥ व र न न :
स य न य व वा मि न के न ना रु स ॥ ११॥ न रु द प य व द न क न ल दि न दि न मा
खि सा म न द रु ॥ क य न या स य सा न य नि द वि क न रु सा स य आ न धू म ध रु व रु
न ना व स नू द न जा व आ न न जू न ॥ न य न को ण क ॥ १२॥ व रु द आ न रु के य जू न :
वा गि दि व स ख न न का या ॥ १३॥ न द न न न न न नि ख य ड आ गि ॥ ग म न रु य म :
न को ॥ धि न न क नि जू न रु ॥ १४॥ हि दू द म जू या स अ न हि न स म न

गनहिकनिजविलास॥यथमदूढंलक्ष्मजडालनकगुनकेनकेसमकनगाल
 नामदूढकविगवजगजानिमसधनधीयाल॥ ॥क्रियाडकिगधुलुगीन॥
 कोनाव॥दृष्टाति॥काक्षचलधमनलावकिचुडानमादिसाहावा॥गारुयसुस
 विनरुलजनमनिरुलवदिगल॥मलमयकीनदददरुनिससकनरुसिन
 रुनयजगुनिनरुनरुनरुनिरुदिगतिनदिजान॥ ॥गदकिनवानीगीन॥
 कोनाव॥स्वाम्मलीकनदलरुसधुनिसुनिजुलदयास॥जवजनयनिरु
 ननानिकुलमानाजदरुगनि॥वायकमूदनरुदरुनयनसहिकीनदिय
 सि

॥नयजगजानिकलवादिमाननकशनदरुवादि॥ ॥यथैनुषस्याकिग
 धुलगीन॥नाठ॥दृष्टानकगाली॥वरुसागयाजुनादीवलयेदखाडल
 नादी॥गारुसनमानाकजानदूढरुनकयना॥॥शुवनिजीवकिगलरु
 जधनसुधानसदद॥नयजगजानिवसावमितमविनसुखयाव॥ ॥गद
 किनवाविगीन॥नाना॥॥किगारुकायदुयदिलकर्मगज॥दसुसदि
 जगदायननग॥रुसिदुनसुदनियमयियानीकयेनयेनकामकलिमानः
 जिवमानी॥कश्चनकचद्यठयनसमजसुयानियलवमाननकननिनासा॥

श्रुत्वा सविकासदहृदिस रुचखवाधनन ॥ प्रकवीजकयूधिववहि (गलकौनिकागी श्रुत्वा ज्ञात
 ल गयन नष्ट विजिह्वयसात्रैवल सकनसाखनन ॥ रुगमिसूनयमिश्राजिदवगलयन निविननीक
 नलमूनिजन किममिकिन्नवस वसरुयकदूगी गगाववव ॥ श्रुयनयव शग कमलसंवास गवख
 नमाहिसवननयवा क्लान शानसमाधिसंगमकि कूनहश्रुनन ॥ श्रानमाहि श्रुवलम्बकि कूनहिवित्वमन
 हिसंसावजलनिधिव यात्रिकव शगनृयमिजगआनि विनति (गववव ॥ ॥ गोत्रि ॥ या ॥ धनधन
 मूवष उमसमूमाया जाकि बुलन गयमभायात्रि ॥ ५ ॥ ववन्ननिकानग श्रुमृगससावक नयनादख
 नभवदूरवगैनासग ॥ विसिसयनि उमहृदियाभाका ऊसिरुमि कीवडवायिवयनकि कूविगन
 धवसादवकि दननूविशालिमयायि ॥ जगनवन्दयु सु सदायकि दानि आगिआगनरुहयावग

अथ काशि ॥ ॥ मालव ॥ था ॥ निवर्के यिनिगि कन निवहिल करुल इजवलनखिमिवाज भया
 प्रियमभ अग्रारुवसुवाजिथिक कामिकयुनिमविनाज ॥ न कन न क विनिकायप्रियजागरुलन
 विदिन उ कुरु साहाव सहिजामिनिविधु नाद्रु गनासन न हित अनियनयाव ॥ धनमभूतथकाम
 अरिमगयूनय मिनिधगमनहायि रुयमधनाजसयि सरुमुकाठिकाठि सहिकन सहिरुलला
 व ॥ कविगलमलिवरुजगनयचनृय महियनमवजयदव जगनजननियदमगिहिकावल
 मात्र इयगयमाहिताहित्रव ॥ ॥ कावकवि ॥ य ॥ कृयनरायिनजग क्रिक्रियाविहात्ररुग
 गिरावनकिजा लायसुखसात्र ॥ मधुकेगरुमहिवासूनधकधाव न कनविजसूरुनि सूरुआ
 व ॥ आ मननावनथल वलविनचुन रुनिनविनगियात कंगरु कजन ॥ जगनयचधन गतइस

सवा कवलनयाकाजन वृत्रयानदवा ॥ ॥ १ अथ दंगी वंगीतलिखन ॥ ॥ वहागना ॥ य ॥ मित्र
 वनजनगतिरु निहिलखिमियनि यथमहि मित अवनान मरु विमुखहिताहिपत्रकेतेय
 नवंगधनग्यामवनलविवात्र ॥ गनवलरुताह गोविन्दठक ॥ ॥ ५ ॥ वनकनवनमा
 लाधनिवाखनरुवि यहिनल गजभातिहाला गुलसि कूठलरु मर्गखगनगु अठल
 गिहिविनाजितमाला ॥ दूरिकनखनगर्गखकनूविनरुल लालमठकविनाज नरु
 नमाधवधिक वरुनूयधं देव कनवकयाथेहिससाज ॥ गुनिकनयितामरु वाविव
 दनवदनादहियं चमजान गिनिहि किंनयगन वनेवजावलधनि सनसंकयलरु
 ध्यान ॥ गूनक असून मिलिदवलाकजन अरु पुलावियलाविभूतिसवा गहिरवनरु

लखलखनकद्वारे सने साहिनामि नूयदवा ॥ जगतवन्दन रमन लखलखम
 उभयदसब सिजजाव तथु कवितादवदरु लगह उवदु गहियय रलमनमाव ॥
 कर्मनूयस्य ॥ कारियवम ॥ धा ॥ रुमन दखदुन कनमधुनिय ॥ धर ॥ दतियकन मनूय
 माधवलेला ॥ र्गगा जलयन रुविबळुड डरुला ॥ ध्वनव न धनाव व सुन सुसाज ॥
 दनश वयदयुग मनिदु ककाउ ॥ मडु कहि मनिमय दिदि विनोउ व
 दन मना रुन सन गणि आउ ॥ कडुल कननय न दिवमा निधन लय
 कद्वतमा ला मउ साहा ॥ धर ॥ असिधनय कन येक कलहा ॥ धर ॥
 स्वपद मद्रिय हलया निसा ॥ जगतचन्द नू वेळी गणि क यास

मागव डरुजन हा नूथ पास ॥ ॥ वया जमदय लयजमहा ॥ कल्याण ॥ धा ॥ मज
 जिय ये सिआयवनी ॥ धर ॥ कोटिके खकाल मूडनडा सुमीला ॥ गवना जजनती ॥ विषके मेन कहा
 लय किड सुं मल न क कनी ॥ काहा कावक संधकीठ ॥ यागत मलमनी ॥ वदयुवान सव
 र मलानि ॥ धर ॥ सागनय नूक मानूख नि नर्णिग आसन क यलव रु वनया गलता
 रुहि सुन्दन मृगशाजन दिखारु ॥ १ ॥ गूकन र लमुख र लधन निअयन व ना सिड था वर
 काड द्रुडा थं दन नूवि नूविन दूनी लगल र खसाड ॥ २ ॥ वानि उडा मूक क कन
 साहिग कूठल विना जितता ना याथि दिवक धन र खदि खन गधन पीन दू वसण
 जाना ॥ ३ ॥ मूवन विग विविग नूगत डरु मधू कल मुख र वयडु के नूविन मडु कहि
 यरुम खाड ॥ जाहा ताहा नामधनी ॥ सुन दसि उडु दाना र गगनी ॥ नहि जात मूयनी ॥ १ ॥

नृयुतिक्कनरुजानि ॥ २ ॥ नरुनकगव कविधिवनतव वननधनस्यामनानयीन
 वनदूकापिनवठरुल वधनधिकठुलवान ॥ ३ ॥ नविनवधिवरुि गलदूवमाला की
 ०रुलनसूरुम कनरुगशंगयन भाठिदिदालन थारुनिकादलनियम ॥ ४ ॥ मठुक
 भातिमय सुन्दनकुवधननागनयनमहिषाति स्वागदिडयनल रुलवलिनृयरुल
 दूधनमकजानि ॥ ५ ॥ जगनवददूदु गकहि डिवरुय यनमयददूदु यावमय
 नर्यखदू वामनसहिग वंवलकनयसुशाव ॥ ६ ॥ ॥ वामनया ॥ ७ ॥ रुलिकि किमा
 रुकारिशूदा ॥ ८ ॥ यनकैतरुयकदू रुहि यगुनाम दवश्रुविमाविकयपूनमनका
 म ॥ १ ॥ सरुप्राशननकविनरुकलेख सहिनासयक रुहिनारुललरुख ॥ २ ॥ नि
 र्पशुकनधनामचउ नसुजान वननिनयानदू रु नतखाने ॥ ३ ॥
 न ३ उरु

रुनेकिदिग

यनियूदुदियनकयलयरुन कनरुिभादलउश्रुनिकभातिमान ॥ ३ ॥ मूक्तिरुस
 रुप्राशनमहिगनश्राव भाठिकनजमधननारुहिसूयाव ॥ ४ ॥ मठुकसहिगरुल
 सुन्दनकाय श्रुयनूववननदू वनलिनजाय ॥ ५ ॥ रुनयजगवदमनशुलिसा
 न कगवरुि यगुनामभलश्रुवनाव ॥ ६ ॥ ॥ यगुनामया ॥ ७ ॥ वधनवाहलमा ॥
 ॥ ८ ॥ विदिगनवखठदुका की ० क रुिकरु लंकायतिनावलनाम कन
 निनरुलउश्रु डविगनकयलरु गितारुविपूनलदूकाम ॥ १ ॥ नधूयतिकूल
 यन दगजधनवयति ताकि सुगनामचदुजान यिविति विहिनदूखसहिनया
 नलदेव माविनावन मसान ॥ २ ॥ धनसुनधनिहनिवदूविमियुध श्रुव जनक सु

यनाममा ॥

ताकसिनेरु कनक कैंनेने जि नूयूनन दावल जकि विनूत जनरुदरु ॥ ३ ॥ ना
 वलामालेयेरुम एदिं शगवथ नकगायि वलगे किनिग (६) नादनक उलदिदयि
 नकवधुगेण रुनखनवाननग (६) ॥ ४ ॥ खनगर्मा विकनक ० आरुनवनि क नूयून
 यधुविवाजं मालाविनाजिन जननरुलनरु मगुनिका वलसाज ॥ ५ ॥ जगन
 वंदक रुकवियतिम निरुल उगुनिरुम नहिगीत जानल एदि विधि नूयून रुद
 यदि नाम वंदवीनरु कनीत ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ रुनवमा ॥ ॥ आसावली ॥ वा
 यल विदानव नूयून रुजवन जिनल सकल रुसून भूतिरुकाय कय जिनक कं गंधानि
 मानल रुम असून ॥ १ ॥ रुल हि मूल उगु गंध असून कायिनि वन रुनील जनदं ग
 नधन मयूषयनगत एरुनन नूयूलील ॥ २ ॥ मडक मलिमय नतन मानिक वे
 वीनतिसुनिक रुकन रुनिहान ॥ ६ ॥ २

द्यतवपूष्यानाग वसनवद विधि विग विविग नूति कनयन सनंगनाग ॥ ३ ॥ तोरु रु
 थिक रुनिगा रु रुकन वशा रु रुद वडय का निगा रु रु पिठवन कयल रु रु जन रु रु
 रुजन सुना वि ॥ ४ ॥ कणुल दालन वान साहिग कंकन कन हि विवान नूयून सिंते सव
 दसुनिक रु वनलि वल रुद सान ॥ ५ ॥ जगन वंदक सनिन यिविति हि रुल रु व
 कद हि जान आदि जन नि हि रुम न सा वि थि कि नाकि क समन हि आन ॥ ६ ॥ वल
 रुद स ॥ ॥ सगवन वमा ॥ वला ठि ॥ ५ ॥ वो वधन म नूयून धन मना हि यद म आ
 सन पन रुपत यमा हि ॥ १ ॥ वन वय का ग नूक मा नि रुक गूल सुनि जाग यन ता रु नू
 नि व रु ल ॥ २ ॥ द रु कन क मल य का गित जान ॥ ३ ॥ ददि दि वसन धन नूयून ससा
 आग मूडा कथन रुद यि पा नि ता वि ॥

अं वरु विधरु वरु मवननका ॥ ४ ॥ कत जन उतिकन कत जन व्यान कनियग
 सहि मूल दासनन आन ॥ ५ ॥ जगत वंदक रुक यल विरान जानल रुमूल रुम वरु
 भुवगाव ॥ ६ ॥ वीरु भुवगावस्य ॥ ॥ सजति मागिला मा ॥ सवथ मल्लि ॥ वा ॥
 रुयव ठिकली कि विरान दयि रुक कयल संरान ॥ १ ॥ एक कनया धि कविना ज पू
 नू कन खनग कका ॥ २ ॥ यीत वसन गा रुनगात की वरु वल कन कजा ॥ ३ ॥ रु
 ल गि कलु लधन कान मरु क मना रुन थान ॥ ४ ॥ मल्लि मुक्ति कयन वरु यल य
 वन गा रु रु दव ॥ ५ ॥ जगत वरु कयल गीत दुरु सिन थ रुम वरीत ॥ ६ ॥ कली किय ॥
 यव म ॥ म ॥ दखि न जगत वंद वरु वल सवरु म यल विमा गव डो दि दग विवि कश व
 द रु वरु दान ॥ ०० सत्र कली कि ॥ ५ ॥ ॥ ५

नू यल ल अनिरु ल डप कान कन यगा हि ॥ १ ॥ स रु य दा व रु भू य द य द रु म ना रु
 म रु क म ला य ति द व गु नि ज न रु रु म जन जन नि सा ध क थि क वि दि त वि न ति
 ता रु ल व ॥ २ ॥ वन म य दान थ या व व ड क्रि सी ग रु रु क ली ला ज ड रु रु रु
 व रु स रु या य मा ल रु रु म व रु ड रु य य ली ला ॥ ३ ॥ जगत वंद थि क म धू म न म थ
 व म जन भ जन भ सी ग या व गि रु व न जन नि म न द य स म व रु नू न य द वि मि ला व
 ॥ ४ ॥ गा कि रु व स मा फ ॥ १२ य ॥ ॥ नान्दी ॥ का भा द ॥ वा ॥ य थ म गु नू य द
 ग व रु वि न व स रु ल रु या त रु का ज रु ख न गू रु य ति यान म य मा ति वा म य क न ग वि
 ना ॥ १ ॥ गुरु य व रु रु ल द रु यू ग ल रु व वि व क न क थान भा द क म ड लि रु रु जन

गुरुनाग यानियनजयमाल ॥२॥ कलिकदन्दहिवेनिसाधय गंधिमुखिभूसवा
 वलिवकसुत गणकनायक सिद्धिदायकसाव ॥३॥ जगतर्वदयुगवचवयसध
 न् रुमनभूरुवश्रास सहितजिभात्रिकवलनिर्जन सांखवहितडहियास ॥
 ॥४॥ ॥१॥ नामकवि ॥ त्रय ॥ यथममीनयनमनीक अतिहिसाहितरुसुविनाज वदुत
 वनकूमयहवि धर्मनूयमीनश्रादि तद्विकयदसवभाविकाड ॥५॥ जयदवमूनात्रजय
 दवमूनात्रपुगतमकुश्रुवश्रुवतात्र ॥६॥ युगतश्रुवदुतियकुर्म गंगातीवनरुयदवकुम
 लदलदिधिषुश्रुवखान वदनसमसनदविधूकुलकवनताहवरुव दलमविकलल्ल
 कसमनश्रुत ॥ जयदवमूनात्र जयदवमूनात्र युगतकुर्मश्रुवश्रुवतात्र ॥७॥ भदिनिध

३
 नसूकमुखवठुनरुजसाहितकन सकलरूमिकयलडधान्थाथिहिनीकाखनग
 श्रुक्त गंधवकुरुजहिधन ताहवयदसववहितसात्र ॥ जयदवमूनात्र जयदवमू
 नात्र युगतश्रुववनाहश्रुवतात्र ॥८॥ विकटमुखसविनवठ दननूविश्रुतिनिर्मन
 नवरुविधानवकवनास श्रुधनदयमधुविरुल कयहितामनसगूल ताहवनववश
 गरुमनश्रास ॥ जयदवमूनात्र जयदवमूनात्र युक्तननसिंहश्रुवतात्र ॥९॥ खनववज
 वदहिवूम सकलकुलवलहिजान गश्रिनग्यान जानदवशाव वामनसौगनसमकुरु
 नकूमयतवसनु सागिवलि यतावरुलकाव ॥ जयदवमूनात्र जयदवमूनात्र श्रुवहिइडावा
 मनश्रुवतात्र ॥१०॥ यूनववीनचठुनरुज श्रुष्ट सिद्धिनवनिद्धि पनुनामतामताहनिधान

समवधीन सहस्राक्षनखनहि जमघनगलद्रु सिद्धिर्सीरुगनका नकयवजाना ॥ जय
दवमूना न जयदवमूना प्रगगयधुना मभूवता ॥ ५॥ नवकवैगयनमहंगम
द्रुता रुनधूनलख वावनमा विगिताया डालकाथ वाननगगकयलसंगकनद्रुनन
जवाण गुनूवववसिष्ठमूनिसा ॥ जयदवमूना न जयदवमूना प्रगगयधुना मभूव
ता ॥ ५॥ वनरुलरुठिकसमवलरुदकद्रुनजान रुलधूननूय दिवतान मद्रुकरुलम
दनसनठुलन रुसनता रुननूय ॥ ५॥ रुकगा रुनठुलन आन ॥ जयदवमूना न जयदवमूना
प्रगगयधुन रुलधूननूय ॥ ५॥ धनमवूद्रुदयधुद्रु ध्याननूय साहितकन आननसान
मवद्रुप्रकाश कठहि नूवदनरुल नयनमूदि ध्याननूय एरुन रुगवीद्रुहि कशुस ॥ जयद

दवमूना न जयदवमूना प्रगगयधुना मभूवता ॥ ५॥ इतमधोनवदयदवसं ॥ ५॥ स
गुकरुयनास एरुन रुगवकलं किनाम दातिमदक विवूकनीक अतिरुिका मलवने
वानूवसविन्यासवठुववूमनकाम ॥ जयदवमूना न जयदवमूना प्रगगयधुना मभूव
ता ॥ ५॥ कठथि जयनूयतिवममलु गिविजगगयकाश अरुिलाखवद्रु (गमनयावक
विकगुणगुलिहिद्रुमयसवद्रुगुविनीजान वनगिकग विधिधनूयगाव ॥ जयदवमूना न
जयदवमूना वनगिद्रु विदग अवनान ॥ ५॥ रुतिद्रुगावतनयधुगीर्त ॥ ५॥ यविम
मू ॥ दूखितजगगयद्रु वनगसवद्रुम यगविमामव डाहीदगविधिकगवनूयलनूयि
रुल डयकानकनयताही ॥ सहस्रदाघदाग यदयवद्रुमना कसद्रु ॥ ५॥ यविम

नद्रुममद्रुम ॥ ५॥ यविम

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on a fragment of aged parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters appearing to be ligatures. The parchment is heavily stained and discolored, with significant wear and tear along the edges.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on a fragment of aged parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters appearing to be ligatures. The parchment is heavily stained and discolored, with significant wear and tear along the edges.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्यं त्वत्पुत्रं त्वया प्रियं ॥ वीर्यवान् धर्म-
 योद्धा स्वर्गाय त्वया प्रभूत ॥ इति श्रीमद्भग-
 वद्गीता उपनिषद्सप्तमे अध्याये अर्जुनसंवा-
 दः समाप्तः ॥